an>

Title: Issue regarding problems caused to tribals due to corridor to be constructed to connect Tiger Reserve Force.

श्री फग्गन सिंह कुलस्ते (मंडला) : महोदया, मैं एक महत्वपूर्ण सूचना आपके और सदन के ध्यान में लाना चाहता हूँ। टाईगर रिज़र्व फोर्स पूरे देश भर में संचालित है। यह काफी प्रचलित है। लोग लगातार इसके बारे में चर्चा करते हैं। जो टाईगर रिज़र्व फोर्स है, उसको जोड़ने के लिए एक कॉरिडोर बनाने की योजना है। कान्हा और पेंच, ये पहले से ही स्थापित हैं। इसके पूर्व में वहां पर बफर जोन के नाम से एक पैच बनाया गया था। उसमें बहुत सारे गांव, विशेषकर जो आदिवासी गांव हैं, वे प्रभावित हुए हैं। उसका कारण है कि वहां पर जितने भी जंगली जानवर रहते हैं, खास तौर से जो शेर हैं, अगर एक शेर मरता है और इसके कारण वहां के आदिवासियों को बेघर किया जाए तो यह ठीक नहीं है। यह कहा गया है कि उस कॉरिडोर के बनने से, वहां रोड़ नहीं बन सकती और रेलवे की कोई कनैक्टिविटी नहीं हो सकती है। हम आज लगातार इस यूनीपैच के लिए, कान्हा के लिए इतने वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं। इस टाइगर फोर्स के कारण वहां पर हमको परमीशन नहीं मिली है। अभी-अभी इस सरकार के बनने के बाद परमीशन मिली है। एक नया कानून फिर आने वाला है। इस कानून में स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि तीन किलोमीटर की इस रेंज में वहां पर घने जंगलों का विस्तार किया जाएगा।

मेरा इतना ही कहना है कि यह बड़ा गंभीर सवाल है। मैं यह चाहता हूँ कि इसके बारे में सरकार बड़ी गंभीरता से विचार करे। लोगों को उजाड़ने से हमें कुछ मिलने वाला नहीं है। कितने शेर मरने वाले हैं, उसकी एक अलग व्यवस्था है, परंतु मैं इतना चाहता हूँ कि कनैक्टिविटी नहीं रूकनी चाहिए। वहां पर एक नई रेल लाइन का विस्तार हो रहा है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात पूरी हो चुकी है। श्री विनोद चावड़ा जी, आप बोलिए। आप सिर्फ एक मिनट में अपनी बात खत्म कीजिए।